NEW ERA AGRICULTURE MAGAZINE

# बैंगन के पौधों में लगने वाले प्रमुख हानिकारक कीट और रोकथाम

[1*]धनंजय ठाकुर, [1]डॉ संदीप कुमार, [1]अमरेंद्र कुमार, [1]अनूप यादव, [1]अंकित पाण्डेय, [1]आशुतोष सैनी, [2]शेफाली चौधरी

**परिचय:-**

बैंगन (Brinjal/Eggplant) एक उष्णकटिबंधीय, बारहो महीने उगाई जाने वाली लोकप्रिय सब्जी है, जो *सोलानेसी* (Solanaceae) परिवार से संबंधित है। भारत इसका मूल स्थान माना जाता है, जहाँ यह आलू के बाद दूसरी सबसे अधिक खपत वाली सब्जी है। वैज्ञानिक रूप से इसे *सोलनम मेलोंगेना* (*Solanum melongena*) कहा जाता है। बैंगन एक रहस्यमयी सब्जी है, जिसे बैंगन, ब्रिंजल, मेलोंजीन, गार्डन एग और गिनी स्क्वैश जैसे कई अन्य नामों से जाना जाता है, लेकिन इसकी पहचान इसके चटख गहरे बैंगनी रंग और अंडे जैसी लंबी आकृति से होती है। बहुत कम कैलोरी वाली, पोषक तत्वों से भरपूर, विशिष्ट स्वाद और स्पंज जैसी बनावट वाली इस सब्जी को कभी जहरीला माना जाता था और वास्तव में इसमें किसी भी अन्य सब्जी की तुलना में अधिक निकोटीन होता है। बैंगन की सब्जी किसको पसंद नहीं होती, लेकिन इसमें कई प्रकार के कीट लग जाते हैं जो पौधों को बहुत नुकसान पहुँचाते हैं और हमें सही बैंगन खाने को नहीं मिल पाते। ये कीट पत्तियों, फूलों और फलों को खराब कर देते हैं, जिससे उत्पादन घट जाता है। चलिए जानते हैं बैंगन (eggplant) में लगने वाले कीट और रोकने के उपाय, जो कि इस प्रकार हैं-

**1. फल छेदक कीट (Fruit Borer)**

यह कीट पौधे की कोमल डालियों और फलों में छेद कर अंडे देता है। इस कीट का लार्वा फलों के अंदर घुसकर उन्हें अंदर से खा जाते हैं। जिसकी वजह से फल सड़ जाते हैं और बाजार में बिकने लायक नहीं रहते। साथ ही बैंगन का उत्पादन भी कम हो जाता है।

**नियंत्रण के उपाय:**

- संक्रमित फलों और शाखाओं को तुरंत हटा दें।
- बैंगन के पौधों के पास फेरोमोन ट्रैप लगाएँ।
- नीम आधारित कीटनाशक का छिड़काव करें।
- आवश्यकता हो तो स्पिनोसैड या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल का उपयोग करें।
- फसल चक्र अपनाएं।

**2.** तना छेदक कीट (Stem Borer)

यह कीट पौधे के तने में छेद करके अंडे देता है और अंदर की लकड़ी खा जाता है, जिसके कारण

[1*]धनंजय ठाकुर, (सहायक अध्यापक)
[1]डॉ संदीप कुमार (विभागाध्यक्ष व सहायक अध्यापक)
[1]अमरेंद्र कुमार, (सहायक अध्यापक)
[1]अनूप यादव, (सहायक अध्यापक)
[1]अंकित पाण्डेय, (सहायक अध्यापक)
[1]आशुतोष सैनी, (सहायक अध्यापक)
[2]शेफाली चौधरी (शोध छात्रा- सब्जी विज्ञान)
कृषि संकाय
[1]बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय रतसिया कोठी, देवरिया
[3]आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या

शाखाएँ मुरझाने लगती हैं और पौधे का विकास रुक जाता है। कई बार पूरा ब्रिंजल प्लांट सूख भी जाता है।

**नियंत्रण के उपाय:**

- प्रभावित तनों को काटकर अलग करें।
- पौधों के पास साफ-सफाई रखें, ताकि कीटों को छुपने के लिए जगह न मिले।
- नीम की खली या गोमूत्र का छिड़काव करें।
- जैविक नियंत्रण के लिए *Trichogramma chilonis* परजीवी का प्रयोग करें।

**3.** माहू (Aphids)

एफिड छोटे हरे या काले रंग के कीट होते हैं, जो पत्तियों का रस चूसते हैं। एफिड्स के कारण पौधे की पत्तियाँ मुड़ जाती हैं और पीली पड़ने लगती हैं। पौधों की वृद्धि धीमी हो जाती है। इसके अलावा यह कीट वायरस रोगों को भी फैलाते हैं।

**नियंत्रण के उपाय:**

- नीम तेल का छिड़काव करें (5 ml प्रति लीटर पानी)।
- चिपकने वाले स्टिकी ट्रैप लगाएँ, जिसे आप organicbazar.net से ऑनलाइन खरीद सकते हैं।
- आप पानी की तेज धार से भी इन कीटों को हटा सकते हैं, लेकिन पौधों को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए।

**4.** सफेद मक्खी (White fly)

सफेद रंग की मक्खियाँ पत्तियों के नीचे अंडे देती हैं और रस चूसती हैं। पत्तियाँ सिकुड़ जाती हैं और पौधा कमजोर हो जाता है। यह कीट भी पत्तियों में "सूट मोल्ड" (काला फफूंद) पैदा करता है। इसके अलावा यह वायरस रोगों जैसे लीफ कर्ल आदि का वाहक भी है।

**नियंत्रण के उपाय:**

- क्षति ग्रस्त पत्तियों को हटा दें। आप कपड़े से भी पौधे को साफ कर सकते हैं।
- नीम तेल को पानी में मिलाकर पौधे पर छिड़काव करें।
- नीली, पीली ट्रैप लगाएँ और गार्डन को साफ रखें।
- नियमित रूप से गार्डन की निगरानी करें।

**5.** थ्रिप्स (Thrips)

थ्रिप्स कीट भी बहुत छोटे छोटे होते हैं, जो ब्रिंजल की पत्तियों और फूलों का रस चूसते हैं। जिससे पत्तियाँ मुड़ जाती हैं और धब्बे बन जाते हैं। कमजोर होकर फूल झड़ने लगते हैं और जिसके कारण फल कम लगते हैं।

**नियंत्रण के उपाय:**

- नीम तेल 5 ml प्रति लीटर पानी के साथ छिड़कें।
- गार्डन में नमी बनाए रखें, क्योंकि यह कीट सूखे में तेजी से बढ़ते हैं।

**6.** लीफ माइनर कीट (Leaf Miner Insects)

यह कीट पत्तियों के अंदर सुरंग बनाकर खाता है। लीफ माइनर कीट के कारण पत्तियों पर सफेद या भूरे रंग की लकीरें दिखती हैं। इस कीट के संक्रमण से पौधे की प्रकाश संश्लेषण क्षमता कम हो जाती है।

**नियंत्रण के उपाय:**

- संक्रमित पत्तियाँ तोड़कर जला दें।
- संक्रमित पौधे के ऊपर नीम तेल या अबामेक्टिन का छिड़काव करें।
- बैंगन के आस-पास या चारों ओर नीली, पीली चिपकने वाली ट्रैप लगाएँ।

**7.** लाल मकड़ी (Red Spider Mite)

यह बहुत छोटे लाल कीट होते हैं, जो पत्तियों के नीचे जाल बनाते हैं और रस चूसते हैं।

पत्तियाँ पीली और सूखी दिखने लगती हैं। ब्रिंजल प्लांट कमजोर हो जाता है, जिसके कारण फ्रूटिंग कम हो जाती है।

**नियंत्रण के उपाय:**

- पानी का हल्का छिड़काव करें ताकि नमी बनी रहे, क्योंकि ये कीट सूखे वातावरण में तेजी से पनपते हैं।
- नीम के पानी का स्प्रे करें।
- जैविक कीटनाशक जैसे वर्टिसिलियम लेकानी (*Verticillium lecanii*) का उपयोग करें।

**8.** बैंगन का जैसिड कीट (Jassids Pest)

यह कीट पत्तियों का रस चूसता है, जिससे पत्तियाँ किनारों से सूखने लगती हैं

और पीली पड़ जाती हैं। पौधा कमजोर होने से फ्रूटिंग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

**नियंत्रण के उपाय:**

- नीम आधारित कीटनाशक का प्रयोग करें।
- गार्डन के पौधों को रोजाना चेक करें।
- उर्वरक या पानी का बहुत ज्यादा उपयोग करने से बचें।

**9.** हड्डा बीटल (Hadda Beetle)

यह अर्ध गोल आकार का लाल या नारंगी रंग का कीट है, जिसके पंखों पर काले धब्बे होते हैं। यह पत्तियों की ऊपरी परत को खुरचकर खाता है, जिससे पत्तियाँ जालीदार हो जाती हैं। पत्तियाँ सूख जाती हैं और पौधा कमजोर पड़ जाता है। फल विकास रुक जाता है। यह कीट पूरे गार्डन में तेजी से फैल सकता है, खासकर गर्म मौसम में।

**नियंत्रण के उपाय:**

- संक्रमित पत्तियाँ तोड़कर नष्ट करें।
- नीम तेल (5 ml प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करें।
- बहुत अधिक कीट संक्रमण होने पर मैलाथियॉन (2 ml/लीटर) या इमिडाक्लोप्रिड (0.3 ml/लीटर) का छिड़काव करें।
- गार्डनिंग साफ रखें और खरपतवार न बढ़ने दें।

NEW ERA AGRICULTURE MAGAZINE